

विवरण

क्रम सं०	कलाकारों के नाम	31-12-1978 की स्थिति के अनुसार कर की बकाया	बॉरी की गई याँ किन्तु जो 31-12-78 बसूली बोध नहीं हुई थी †	कर की बकाया की बसूल करने के लिये की गई कार्यवाही
1	2	3	4	5

(लाख रुपयों में)

1	सर्वेन्द्र	—	—	—
2	अमिता बच्चन	—	0.06	—
3	शक्तिपूर	0.07	—	6,000 रु० की बसूली कर की गई है और शेष बसूली बन्दी ही की जा रही है।
4	अभि कपूर	—	—	—
5	कु० हेमा मालिनी	3.16	7.44	कर-निर्धारिता द्वारा 3 लाख रुपये की रकम भुगत कर दी गई बताई गई है तथा बालाओं की प्रतीक्षा है। शेष रकम अन्वी ही बसूल की जा रही है।

† टिप्पणी : उपर्युक्त आंकड़ों में 15-3-79 को देय अग्रिम कर शामिल नहीं है।

इंडोनेशिया को लाख व्यापार समझौता

3457. श्री पी० बी० हांडे : क्या वाणिज्य तथा वायविक दुर्ग और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इंडोनेशिया के साथ कोई व्यापार समझौता हुआ है ;

(ख) क्या इस समझौते से भारत को अधिक लाभ होगा और किसी भी देश द्वारा किन-किन वस्तुओं का आयात और निर्यात किया जायेगा ; और

(ग) क्या इस समझौते में सन् उद्योगों द्वारा उत्पादन की जाने वाली वस्तुओं को रखा गया है ?

वाणिज्य, वायविक दुर्ग तथा सहकारिता मंत्रालय के सचिव मंत्री (श्री कारकिर्दी) : (क) की हाँ :

(ख) और (ग) : इस करार में यह स्पष्ट है कि दोनों सरकारें व्यापार के मामलों में, एक दूसरे को ऐसा अवसर प्रदान करेंगी, जो कि किसी तीसरे देश को प्रदान किए गए अवसर

से कम अनुकूल नहीं होगा, इनमें वे शामिल नहीं हैं :—

(1) सीमांत व्यापार को सुकर बनाने के लिए दोनों में से किसी भी सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ ;

(2) दोनों में से किसी भी देश द्वारा किसी तीसरे देश को प्रदत्त अधिमान, लाभ, सुविधाएँ अथवा अन्यकृतियों जो इस करार की शर्तों को विध्वंसन हों अथवा उनके बदले में दी जायें ;

(3) विकासशील देशों के बीच वित्तव्ययी, क्षेत्रीय अथवा उप क्षेत्रीय आधार पर व्यापार तथा आर्थिक सहयोग के विस्तार के लिए किसी भी ऐसी योजना के अन्तर्गत दोनों में से किसी भी सरकार द्वारा दिये जाने वाले लाभ अथवा अधिमान ; और

(4) एसियन व्यापार प्रवर्धन के अन्तर्गत इंडोनेशिया द्वारा अन्य सदस्यों को प्रदत्त अधिमान।

डि० इस करार में, एक दूसरे के व्यापारी वस्तुओं को तथा व्यापार में तो तथा प्रवर्धनियों तथा व्यापारियों और व्यापार प्रतिनिधियों के बीच

के लिए सुविधाएँ प्रदान करने के लिए परम मित्र राष्ट्र व्यवहार प्रदान करने की व्यवस्था है। तथापि, इस करार में दोनों में से किसी भी देश द्वारा आयात अथवा निर्यात की जाने वाली विशिष्ट वस्तुओं को सूचीबद्ध नहीं किया गया है।

Replenishment Licences to National Federation of Industrial Cooperatives Ltd., New Delhi

3476. SHRI BIRENDRA PRASAD: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) is it a fact that the National Federation of Industrial Cooperatives Limited, New Delhi, a grantee organisation of the Government of India was given Replenishment Licences by the Joint Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi;

(b) how many such licences were granted and their value for the period from January 1970 to December 1978 against the exports of their products;

(c) if so, how these licences were to be utilised properly; and

(d) is the Ministry satisfied that no misutilisation has been done by the N.F.I.C. Ltd. of these licences mentioned above?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) to (d). Particulars of import licences are published in the Weekly Bulletins of Import Licences, Export Licences and Industrial Licences issued by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, copies of which are available in the Parliament library. The information whether there have been any complaints of alleged misutilisation of import licences by the National Federation of Industrial Cooperatives Ltd., New Delhi, is being collected and will be laid on the Table of the House.

राज्य व्यापार निगम द्वारा 1977-78 के दौरान खाद्य तेल के आयात पर खर्च की गयी विदेशी मुद्रा

3477. श्री यादवेन्द्र दत्त :
श्री श्याम लाल धुर्वे :

क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करें कि :

(क) क्या यह सच है कि राज्य व्यापार निगम ने 1977-78 के दौरान खाद्य तेलों का आयात किया ;

(ख) यदि हाँ, तो खाद्य तेलों की कुल कितनी मात्रा का आयात किया गया ; और

(ग) सरकार ने इस पर कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की ?

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार गोयल) :
(क) : जी हाँ।

(ख) और (ग). राज्य व्यापार निगम द्वारा 1977-78 के दौरान आयात किये गये खाद्य तेलों की मात्रा तथा उनका मूल्य नीचे दिये अनुसार है :

मात्रा	मूल्य
(मीट्री टनो में)	रुपये (लाख)
5,67,752	30,435.71

Opening of Branches of Banks in Punjab

3478. SHRI BALWANT SINGH RAMOOWALIA: Will the DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE be pleased to state:

(a) whether the scheduled banks had applied to the R.B.I. to allow them to open more branches in Punjab;

(b) whether this request was turned down on the pretext that the State was already having large number of branches;

(c) how many branches were sanctioned for opening in the years 1978-79, 1979-80 bank-wise; and

(d) how many of them were actually opened in Punjab bank-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ZULFIQUARULLAH): (a) Yes, Sir.

(b) The branch expansion plans are now being drawn up by the Reserve Bank of India in consultation with the State Governments and the banks concerned. The Government of Punjab has been asked by the Reserve Bank